C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी B

समय : 3 घंटे | **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

कौशल देश के वृद्ध राजा के चार पुत्र थे। उन्हें यह चिन्ता सताने लगी थी कि राज्य का उत्तराधिकारी किसे बनाया जाए? सोच-विचार के बाद अपने चारों पुत्रों को बुलाकर राजा ने कहा– "तुम चारों में से जो सबसे बड़े धर्मात्मा को मेरे पास लेकर आएगा वही राज्य का स्वामी बनेगा।" तत्पश्चात चारों राजकुमार अपने-अपने घोड़ों पर सवार होकर चल पड़े।

कुछ दिनों बाद बड़ा पुत्र अपने साथ महाजन को लेकर आया और राजा से बोला – "ये महाजन लाखों रुपयों का दान कर चुके हैं, अनेक मन्दिर व

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

धर्मशालाएँ बनवा चुके हैं तथा साधु-सन्तों और ब्राह्मणों को भोजन कराने के उपरान्त ही ये भोजन करते हैं। इनसे बड़ा धर्मात्मा कौन होगा?

"हाँ, वास्तव में ये धर्मात्मा हैं।" राजा ने कहा तथा सत्कारपूर्वक विदा किया।

इसके बाद दूसरा पुत्र एक कृशकाय ब्राह्मण को लेकर आया और राजा से बोला– "ये ब्राह्मण देवता चारों धामों की यात्रा कर आए हैं, कोई तामसी वृत्ति इन्हें छू नहीं गई है। इनसे बढ़कर कोई धर्मात्मा नहीं है।"

राजा ब्राह्मण के समक्ष नतमस्तक हुए और दान-दक्षिणा देकर बोले– "इसमें कोई सन्देह नहीं कि ये एक श्रेष्ठ धर्मात्मा हैं।"

तभी तीसरा पुत्र एक साधु को लेकर पहुँचा और बोला– "ये साधु महाराज सप्ताह में केवल एक बार दूध पीकर रहते हैं। भयंकर सर्दी में जल में खड़े रहते हैं और गर्मी में पंचाग्नि तापते हैं। ये सबसे बड़े धर्मात्मा हैं।"

राजा ने साधु को प्रणाम किया और कहा- "निश्चय ही ये एक उत्तम साधु हैं।" साधु महाराज राजा को आशीर्वाद देकर विदा हुए।

अन्त में सबसे छोटा पुत्र एक निर्धन किसान के साथ आया। किसान दूर से ही भय के मारे हाथ जोड़ता चला आ रहा था। तीनों भाई छोटे भाई की मूर्खता पर ठहाका लगाकर हँस पड़े। छोटा पुत्र बोला– "एक कुत्ते के शरीर पर लगे घाव को यह आदमी धो रहा था। पता नहीं कि यह धर्मात्मा है या नहीं। अब आप ही इससे पूछ लीजिए।"

राजा ने पूछा- "तुम क्या धर्म-कर्म करते हो?" किसान डरते-डरते बोला- "मैं अनपढ़ हूँ, धर्म किसे कहते हैं, यह मैं नहीं जनता। कोई बीमार होता है तो सेवा कर देता हूँ। कोई माँगता है तो मुट्टी भर अन्न अवश्य दे देता हूँ।"

राजा ने कहा- "यह किसान ही सबसे बड़ा धर्मात्मा है।" राजा की बात सुनकर तीनों बड़े लड़के एक दूसरे का मुँह ताकने लगे। राजा ने पुनः कहा- "तीर्थयात्रा करना, भगवत आराधना में लीन रहना, दान-पुण्य करना और जप-तप करना भी धर्म है किन्तु बिना किसी स्वार्थ के किसी दीन-दुःखी और

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कष्ट में पड़े हुए प्राणी की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। जो परोपकार करता है, वही सबसे बड़ा धर्मात्मा है।"

1. राजा को क्या चिन्ता थी? उसने अपने पुत्रों को बुलाकर क्या कहा? [2]
2. बड़े पुत्र की दृष्टि में सबसे बड़ा धर्मात्मा कौन था और उसका क्या कारण था? [2]
3. साधु किसके साथ आया था? उसका परिचय किस प्रकार दिया गया? [2]
4. किसान को राजा के सामने कौन लाया था और क्यों? राजा ने किसान को ही सबसे बड़ा धर्मात्मा क्यों कहा? [2]
5. प्रस्तुत गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है? [1]
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें। [1]

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते है? [1]

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [3]

(क) छात्र शिक्षक के यहाँ जाकर हिन्दी पढ़ता है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) रात होते ही आकाश में तारों का मेला लग गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) मीरा ने कहानी सुनाई। सीमा रो पड़ी। (सरल वाक्य में बदलिए)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- जनप्रिय
- देहलता

(ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- आठ आनों का समूह
- पीत है जो अंबर

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए। [4]

(क) यह आदमी क्या चाहते हैं?

(ख) हम परस्पर आपस में लड़ते हैं।

(ग) एक गीतों की पुस्तक चाहिए।

(घ) मेरी तो किस्मत टूट गई है।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। [4]

1. बड़ी मुश्किल से अब उसकी _________ है।
2. मुश्किलें आने पर हमें _________ चाहिए।
3. कई जगहों पर _________ भी रोमिता को नौकरी नहीं मिली।
4. पिता ने राम की गलती पर उसे _________ लिया।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

(क) वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

(ग) लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात क्यों कही है?

(घ) बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?

प्र.8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'गिन्नी का सोना' के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि 'आदर्शवादिता' और 'व्यावहारिकता' इनमें से जीवन में किसका महत्त्व है?
2. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

(क) बिहारी कवि ने सभी की उपस्थिति में भी कैसे बात की जा सकती है, इसका वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

(ग) कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?

(घ) वर्षाऋतु में इंद्र की जादूगरी के दो उदहारण दीजिए।

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'सहस दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा?
2. ‘आत्मत्राण’ कविता में कवि की प्रार्थना से क्या संदेश मिलता है? अपने शब्दों में लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया। बताइए- ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फ़ेल होने के क्या कारण थे?
2. 'सपनों के-से दिन'पाठ में लेखक को स्कूल जाने का उत्साह नहीं होता था, क्यों? फिर भी ऐसी कौन-सी बात थी जिस कारण उसे स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? कारण-सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र.12. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। [6]

- मित्रता
- खेल
- समाचार-पत्र

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।
2. आप किसी स्थान विशेष की यात्रा करना चाहते हैं। उस स्थान की जानकारी प्राप्त करने के लिए, उस क्षेत्र के पर्यटन विभाग के अधिकरी को पत्र लिख कर पूछताछ कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लेखन कीजिए। [5]

1. आपकी स्कूल ने उदयपुर की सैर का आयोजन किया है। विद्यार्थियों तक इसकी जानकारी देने के लिए एक सूचना-पत्र लिखिए।
2. खेल सचिव द्वारा फुटबाल टूर्नामेंट की जानकारी हेतु सूचना तैयार करें।

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. मकान मालिक और किरायेदार के बीच हो रहा संवाद लिखिए।
2. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. गर्मी में इस्तेमाल होनेवाले टेलकम पाउडर का विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. बच्चों की नोटबुक के लिए विज्ञापन बनाइए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय: हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

कौशल देश के वृद्ध राजा के चार पुत्र थे। उन्हें यह चिन्ता सताने लगी थी कि राज्य का उत्तराधिकारी किसे बनाया जाए? सोच-विचार के बाद अपने चारों पुत्रों को बुलाकर राजा ने कहा– "तुम चारों में से जो सबसे बड़े धर्मात्मा को मेरे पास लेकर आएगा वही राज्य का स्वामी बनेगा।" तत्पश्चात चारों राजकुमार अपने-अपने घोड़ों पर सवार होकर चल पड़े।

कुछ दिनों बाद बड़ा पुत्र अपने साथ महाजन को लेकर आया और राजा से बोला – "ये महाजन लाखों रुपयों का दान कर चुके हैं, अनेक मन्दिर व

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

धर्मशालाएँ बनवा चुके हैं तथा साधु-सन्तों और ब्राह्मणों को भोजन कराने के उपरान्त ही ये भोजन करते हैं। इनसे बड़ा धर्मात्मा कौन होगा?
"हाँ, वास्तव में ये धर्मात्मा हैं।" राजा ने कहा तथा सत्कारपूर्वक विदा किया।
इसके बाद दूसरा पुत्र एक कृशकाय ब्राह्मण को लेकर आया और राजा से बोला– "ये ब्राह्मण देवता चारों धामों की यात्रा कर आए हैं, कोई तामसी वृत्ति इन्हें छू नहीं गई है। इनसे बढ़कर कोई धर्मात्मा नहीं है।"
राजा ब्राह्मण के समक्ष नतमस्तक हुए और दान-दक्षिणा देकर बोले– "इसमें कोई सन्देह नहीं कि ये एक श्रेष्ठ धर्मात्मा हैं।"
तभी तीसरा पुत्र एक साधु को लेकर पहुँचा और बोला– "ये साधु महाराज सप्ताह में केवल एक बार दूध पीकर रहते हैं। भयंकर सर्दी में जल में खड़े रहते हैं और गर्मी में पंचाग्नि तापते हैं। ये सबसे बड़े धर्मात्मा हैं।"
राजा ने साधु को प्रणाम किया और कहा- "निश्चय ही ये एक उत्तम साधु हैं।" साधु महाराज राजा को आशीर्वाद देकर विदा हुए।
अन्त में सबसे छोटा पुत्र एक निर्धन किसान के साथ आया। किसान दूर से ही भय के मारे हाथ जोड़ता चला आ रहा था। तीनों भाई छोटे भाई की मूर्खता पर ठहाका लगाकर हँस पड़े। छोटा पुत्र बोला– "एक कुत्ते के शरीर पर लगे घाव को यह आदमी धो रहा था। पता नहीं कि यह धर्मात्मा है या नहीं। अब आप ही इससे पूछ लीजिए।"
राजा ने पूछा- "तुम क्या धर्म-कर्म करते हो?" किसान डरते-डरते बोला- "मैं अनपढ़ हूँ, धर्म किसे कहते हैं, यह मैं नहीं जनता। कोई बीमार होता है तो सेवा कर देता हूँ। कोई माँगता है तो मुट्टी भर अन्न अवश्य दे देता हूँ।"
राजा ने कहा- "यह किसान ही सबसे बड़ा धर्मात्मा है।" राजा की बात सुनकर तीनों बड़े लड़के एक दूसरे का मुँह ताकने लगे। राजा ने पुनः कहा- "तीर्थयात्रा करना, भगवत आराधना में लीन रहना, दान-पुण्य करना और जप-तप करना भी धर्म है किन्तु बिना किसी स्वार्थ के किसी दीन-दुःखी और

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कष्ट में पड़े हुए प्राणी की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। जो परोपकार करता है, वही सबसे बड़ा धर्मात्मा है।"

1. राजा को क्या चिन्ता थी? उसने अपने पुत्रों को बुलाकर क्या कहा? [2]

   उत्तर : कौशल देश के वृद्ध राजा के चार पुत्र थे उन्हें यह चिंता सताने लगी थी कि चारों पुत्रों में से किसे राज्य का उत्तराधिकारी बनाया जाए काफ़ी सोच-विचार के बाद राजा ने अपने पुत्रों को बुलाया और कहा कि उन चारों में से जो कोई सबसे बड़े धर्मात्मा को उनके पास लाएगा उसे राज्य का उत्तराधिकारी बना दिया जाएगा।

2. बड़े पुत्र की दृष्टि में सबसे बड़ा धर्मात्मा कौन था और उसका क्या कारण था? [2]

   उत्तर : बड़ा पुत्र अपने साथ एक महाजन को ले आया उसके अनुसार वह महाजन सबसे बड़ा धर्मात्मा था क्योंकि वह लाखों रूपए दान कर चुके थे, अनेक मंदिर और धर्मशालाओं का निर्माण कर चुके थे और साधु-संतों को भोजन करवाने के उपरान्त ही वे स्वयं भोजन करते थे।

3. साधु किसके साथ आया था? उसका परिचय किस प्रकार दिया गया? [2]

   उत्तर : साधु राजा के तीसरे बेटे के साथ आया था। उनका परिचय इस प्रकार दिया गया कि वे सप्ताह में एक बार दूध पीकर रहते हैं, भयंकर सर्दी में जल में खड़े रहते हैं और गर्मी में पंचाग्नि तापते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. किसान को राजा के सामने कौन लाया था और क्यों? राजा ने किसान को ही सबसे बड़ा धर्मात्मा क्यों कहा? [2]

उत्तर : किसान को राजा के सामने उनका सबसे छोटा पुत्र धर्मात्मा के रूप में लाया। राजा ने उस किसान को धर्मात्मा मानने का कारण यह था कि वह निस्वार्थ भाव से दीन-दुखी की मदद करता था और राजा के अनुसार परोपकार करना ही सबसे बड़ा धर्म था।

5. प्रस्तुत गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है? [1]

उत्तर : इस गद्यांश से सच्चे धर्म की शिक्षा मिलती है। धर्म तीर्थयात्रा करने, दान-पुण्य करने या जप-तप करने में नहीं होता है। सच्चा धर्म तो निस्वार्थ भाव से दीन-दुखियों की सेवा और परोपकार में होता है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें। [1]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'सच्चा धर्मात्मा' है।

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते है? [1]

उत्तर : शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। [3]

(क) छात्र शिक्षक के यहाँ जाकर हिन्दी पढ़ता है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : छात्र शिक्षक के यहाँ जाता है और हिंदी पढ़ता है।

(ख) रात होते ही आकाश में तारों का मेला लग गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर : जैसे ही रात हुई वैसे ही आकाश में तारों का मेला लग गया।

(ग) मीरा ने कहानी सुनाई। सीमा रो पड़ी। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मीरा की कहानी सुनकर सीमा रो पड़ी।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- जनप्रिय
- देहलता

समस्त पद	विग्रह	समास
जनप्रिय	जन को प्रिय	तत्पुरुष समास
देहलता	देह रूपी लता	कर्मधारय समास

(ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- आठ आनों का समूह
- पीत है जो अंबर

विग्रह	समस्त पद	समास
आठ आनों का समूह	अठन्नी	द्विगु समास
पीत है जो अंबर	पीतांबर	कर्मधारय समास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए। [4]

(क) यह आदमी क्या चाहते हैं?

उत्तर : ये आदमी क्या चाहते हैं?

(ख) हम परस्पर आपस में लड़ते हैं।

उत्तर : हम आपस में लड़ते हैं।

(ग) एक गीतों की पुस्तक चाहिए।

उत्तर : गीतों की एक पुस्तक चाहिए।

(घ) मेरी तो किस्मत टूट गई है।

उत्तर : मेरी तो किस्मत फूट गई है।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। [4]

1. बड़ी मुश्किल से अब उसकी आँख लगी है।
2. मुश्किलें आने पर हमें घुटने नहीं टेकने चाहिए।
3. कई जगहों पर नाक रगड़ने के बाद भी रोमिता को नौकरी नहीं मिली।
4. पिता ने राम की गलती पर उसे आड़े हाथों लिया।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

(क) वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

उत्तर : वज़ीर अली ने कई बरसों से अंग्रेजों की आँख में धूल झोंककर उनकी नाक में दम कर रखा था इसलिए वे वज़ीर से तंग आ चुके थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

उत्तर : तताँरा वामीरो के रूप और मधुर आवाज़ से सम्मोहित हो गया था। गाँव की रीति की परवाह किए बिना उसने अगले दिन फिर लपाती गाँव की उसी समुद्री चट्टान पर आने की याचना की।

(ग) लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात क्यों कही है?

उत्तर : जापानी लोग उन्नति की होड़ में सबसे आगे हैं। इसलिए लेखक ने जापानियों के दिमाग में स्पीड का इंजन लगने की बात कही है।

(घ) बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?

उत्तर : बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर तो कभी किताब के हाशियों पर चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों के चित्र बनाते थे। कभी-कभी वे एक शब्द या वाक्य को अनेक बार लिख डालते, कभी एक शेर-शायरी की बार-बार सुन्दर अक्षरों में नक़ल करते। कभी ऐसी शब्द रचना करते, जो निरर्थक होती, कभी किसी आदमी का चेहरा बनाते थे।

प्र.8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'गिन्नी का सोना' के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि 'आदर्शवादिता' और 'व्यावहारिकता' इनमें से जीवन में किसका महत्त्व है?

उत्तर : गिन्नी का सोना पाठ के आधार पर यह स्पष्ट है कि जीवन में आदर्शवादिता का ही अधिक महत्त्व है। अवसरवादी व्यक्ति सदा अपना हित देखता है। वह प्रत्येक कार्य अपना लाभ-हानि देखकर ही

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

करता है। आज भी समाज के पास जो भी मूल्य हैं वे सब आदर्शवादी द्वारा ही दिए गए हैं। अत: जीवन में आदर्श के साथ सही व्यावहारिकता के मिश्रण का ही महत्त्व है।

अथवा

2. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

उत्तर : बड़े भाई के अनुसार जीवन की समझ ज्ञान के साथ अनुभव और व्यावहारिकता से आती है। पुस्तकीय ज्ञान को अनुभव में उतारने पर ही हम सही जीवन जी सकते हैं। हमारे बड़े बुजर्गों ने भले कोई किताबी ज्ञान नहीं प्राप्त किया था परन्तु अपने अनुभव और व्यवहार के द्वारा उन्होंने अपने जीवन की हर परीक्षा को सफलतापूर्वक पार किया। अत: पुस्तकीय ज्ञान और अनुभव के तालमेल द्वारा जीवन की समझ आती है।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

(क) बिहारी कवि ने सभी की उपस्थिति में भी कैसे बात की जा सकती है, इसका वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : बिहारी ने बताया है कि घर में सबकी उपस्थिति में नायक और नायिका इशारों में अपने मन की बात करते हैं। नायक ने सबकी उपस्थिति में नायिका को इशारा किया। नायिका ने इशारे से मना किया। नायिका के मना करने के तरीके पर नायक रीझ गया। इस रीझ पर नायिका खीज उठी। दोनों के नेत्र मिल जाने पर आँखों में प्रेम स्वीकृति का भाव आता है। इस पर नायक प्रसन्न हो जाता है और नायिका आँखों में लजा जाती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप यह शिक्षा देती है कि अत्याचारी शक्ति चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, पर उसका अंत अवश्य होता है। मानव विरोध के सामने उसे हार माननी पड़ती है। किस प्रकार अंग्रेज़ों ने अत्याचार किए पर अंत में भारत को छोड़ना ही पड़ा। यह तोप हमें बताती है कि कोई कितना शक्तिशाली क्यों न हो, एक–न–एक दिन उसे धराशायी होना ही पड़ता है। तोप की तरह चुप होना ही पड़ता है।

(ग) कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?

उत्तर : कवि करुणामय ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि उसे जीवन की विपदाओं से दूर चाहे ना रखे पर इतनी शक्ति दे कि इन मुश्किलों पर विजय पा सके। दुखों में भी ईश्वर को न भूले, उसका विश्वास अटल रहे।

(घ) वर्षाऋतु में इंद्र की जादूगरी के दो उदहारण दीजिए।

उत्तर : पर्वतीय प्रदेश में वर्षा के समय में क्षण-क्षण होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों तथा अलौकिक दृश्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, मानो वर्षा का देवता इंद्र बादल रूपी यान पर बैठकर जादू का खेल दिखा रहा हो। आकाश में उमड़ते-घुमड़ते ब़ादलों को देखकर ऐसा लगता था जैसे बड़े-बड़े पहाड़ अपने पंखों को फड़फड़ाते हुए उड़ रहे हों। बादलों का उड़ना, चारों और धुआँ होना और मूसलधार वर्षा का होना ये सब जादू के खेल के समान दिखाई देते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'सहस दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा?

उत्तर : कवि ने इस पद का प्रयोग सजीव चित्रण करने के लिए किया है। 'सहस्र दृग-सुमन' का अर्थ है - हजारों पुष्प रूपी आँखें। कवि ने इसका प्रयोग पर्वत पर खिले फूलों के लिए किया है। वर्षाकाल में पर्वतीय भाग में हजारों की संख्या में पुष्प खिले रहते हैं। कवि ने इन पुष्पों में पर्वत की आँखों की कल्पना की है। ऐसा लगता है मानों पर्वत अपने सुंदर नेत्रों से प्रकृति की छटा को निहार रहा है।

अथवा

2. 'आत्मत्राण' कविता में कवि की प्रार्थना से क्या संदेश मिलता है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : 'आत्मत्राण' कविता रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा रचित कविता है। आत्मत्राण का अर्थ है आत्मा का त्राण अर्थात् आत्मा या मन के भय का निवारण, उससे मुक्ति। प्रस्तुत कविता में विपरीत परिस्थितियों में भी ईश्वर के प्रति आस्थावान बनाए रखने का संदेश दिया है। प्रस्तुत कविता में कवि चाहता है कि जीवन में आने वाले दुखों को वह निर्भय होकर सहन करे। दुख न मिले ऐसी प्रार्थना वह नहीं करता बल्कि मिले हुए दुखों को सहने, उसे झेलने की शक्ति के लिए प्रार्थना करता है। कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उसका बल पौरुष न हिले, वह सदा बना रहे और कोई भी कष्ट वह धैर्य से सह ले।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया। बताइए- ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फ़ेल होने के क्या कारण थे?

उत्तर : ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फ़ेल होने के निम्न कारण थे -

1. जब भी वह पढ़ने बैठता मुन्नी बाबू को कोई न कोई काम निकल आता या रामदुलारी कोई ऐसी चीज़ मँगवाती जो नौकर से नहीं मँगवाई जा सकती। जिससे उसे पढ़ने के लिए समय ही नहीं मिल पाता था। इस तरह वह फेल हो गया।
2. दूसरे साल उसे मियादी (टाइफाइड) बुखार हो गया था और पेपर नहीं दे पाया इसलिए फ़ेल हो गया था।

2. 'सपनों के-से दिन'पाठ में लेखक को स्कूल जाने का उत्साह नहीं होता था, क्यों? फिर भी ऐसी कौन-सी बात थी जिस कारण उसे स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? कारण-सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लेखक और उसके साथियों में से अधिकतर बच्चों को स्कूल जाना अच्छा नहीं लगता था। उन दिनों यदि बच्चों को स्कूल जाना अच्छा नहीं लगता था तो माँ-बाप भी उनके साथ जबरदस्ती नहीं करते थे। वे भी बच्चों को अपने साथ काम में लगा लेते थे। थोड़ा-सा बड़ा होने पर बच्चों को बहीखाते का हिसाब-किताब सिखा देना आवश्यक समझते थे। बचपन में बच्चों को सब कुछ अच्छा लगता है केवल उन्हें स्कूल जाना अच्छा नहीं लगता था।

नई कक्षा में जाना अच्छा लगता था परंतु साथ में डर भी लगता था कि मास्टर जी से पहले से अधिक मार पड़ेगी। लेखक को स्कूल जाना इसलिए अच्छा लगने लगा क्योंकि उसे स्काउटिंग का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अभ्यास करवाते समय नीली-पीली झण्डी हाथ में पकडकर वन-टू-थ्री कहना बहुत मनोरंजक लगता था। मास्टर प्रीतमचंद जब उसे शाबाशी देते तो उसका मन खिल उठता था।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र.12. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। [6]

मित्रता

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में हर व्यक्ति के अनेक संबंध होते हैं। परस्पर सहयोग से रहना मानव का स्वभाव है। उसका सही स्वभाव मित्रता को जन्म देता है।

मित्रता एक अनमोल धन है। आज के युग में युग में सच्चा मित्र पाना स्वर्ग को पा लेने के समान है। सच्चा मित्र वह होता है, जो हमें अच्छे व बुरे का अहसास करवाए, साथ ही हमें कुमार्ग से सुमार्ग पर ले जाए। मित्रता में वह शक्ति है, जो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मित्रता में मनुष्य एक-दूसरे का साथ देता है।

हर व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता होती है। वह अपने दिल की हर बात निर्भयता से केवल अपने मित्र से कह सकता है। सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानता है।

रहीम जी ने कहा है-

''कह रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत
बिपत्ति-कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।''

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंग्रेजी कहावत के अनुसार सच्चा मित्र वही है, जो समय पर काम आए। कृष्ण-सुदामा की मित्रता नि:स्वार्थ एवं पवित्र थी। यह सच्ची मित्रता का अनुपम उदाहरण है।

हमें चाहिए कि जब भी किसी को अपना मित्र बनाए तो सोच-विचार कर बनाए क्योंकि जहाँ एक सच्चा मित्र आपका साथ देकर आपको ऊँचाई तक पहुँचा सकता है, वहीं कपटी मित्र अपने स्वार्थ के लिए आपको पतन के रास्ते पर ले जाता है।

संत कबीर कहते हैं कि -

"कपटी मित्र न कीजिए, पेट पैठि बुधि लेत।
आगे राह दिखाय के, पीछे धक्का देति।।"

कपटी आदमी से मित्रता कभी न कीजिए क्योंकि वह पहले पेट में घुस कर सभी भेद जान लेता है और फिर आगे की राह दिखाकर पीछे से धक्का देता है।

'कबीर तहां न जाईय, जहां न चोखा चीत।
परपूटा औगुन घना, मुहड़े ऊपर मीत।'

ऐसे व्यक्ति या समूह के पास ही न जायें जिनमें निर्मल चित्त का अभाव हो। ऐसे व्यक्ति सामने मित्र बनते हैं पर पीठ पीछे अवगुणों का बखान कर बदनाम करते हैं।

अत: मित्र का सही चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि सच्चा मित्र हमारी सफलता की कुँजी होता है।

खेल

आज संसार में अनेक प्रकार के खेल प्रचलित हैं। इनमें कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, बेसबॉल, रगबी, टेनिस, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, आदि हैं। सभी को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अपनी-अपनी रुचि के अनुसार इनमें से कोई न कोई खेल पसंद है। मुझे क्रिकेट का खेल सर्वाधिक पसंद है।

मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही खेलों का महत्त्व रहा है। खेलों के बिना मनुष्य अधूरा है। प्राचीन समय में तो उसके मनोरंजन का साधन ही खेल हुआ करते थे।

शरीर को स्वस्थ रखने का एक साधन खेल भी है। आज खेल शिक्षा का आवश्यक अंग समझा जाने लगा है। शारीरिक शिक्षा मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

मनुष्य के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास में खेल-कूद की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। खेलों से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न होती हैं जो समाज को जोड़ने में अपनी भूमिका निभाते हैं।

समाचार-पत्र

सुबह होते ही लोगों को समाचार पत्र की सुध हो जाती है। समाचार-पत्र का हमारे दैनिक जीवन में अत्यंत महत्त्व है। इनमें देश-विदेश की घटनाओं, रोजगार, प्रचार, मनोरंजन, उद्घोषणाओं आदि की लिखित जानकारियाँ होती हैं। कुछ ही पलों में हम इनके अध्ययन से अपने आस-पास की खबरों के साथ-साथ, देश-विदेश के अनेक प्रांतों में क्या हो रहा है घर बैठे जान जाते हैं। हम इसके माध्यम से अपने संदेश, उद्घोषणाएँ, शिकायत आदि प्रचारित कर सरकार सहित आम जनता को सूचित कर सकते हैं। इसके माध्यम से समाज में होने वाले आपराधिक कृत्यों, अपराधों आदि को रोकने में तथा जन-जागरण में मदद मिलती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।

बी.3

आदर्श नगर

दिल्ली

प्रिय बहन हेमा,

तुम्हारा पत्र मिला पढ़कर बहुत दुख हुआ कि तुम्हें इस परीक्षा में केवल 40 अंक मिले है। माँ बता रही थी कि तुम्हारा ध्यान फैशन में बहुत ज्यादा लगा रहता है। मैं फैशन के खिलाफ नहीं परंतु अगर वह आपकी पढ़ाई और भविष्य के बीच में आए तो, अवश्य हूँ।

अपनी दिनचर्या नियमित करो और हर क्षण अपने लक्ष्य पर दृष्टि रखो। तुम्हें ज्ञात होगा कि जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं, उन्होंने अपने जीवन के एक क्षण को भी व्यर्थ नहीं जाने दिया। यदि तुम एकाग्र मन से नहीं पढ़ोगी, तो परीक्षा में असफल होने के कारण तुम्हारा भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा। अपना ध्यान पढ़ाई में लगाओ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम पढ़ाई का मूल्य समझोगी। माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी बहन,

सीमा

दिनांक –x-x-20xx

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आप किसी स्थान विशेष की यात्रा करना चाहते हैं। उस स्थान की जानकारी प्राप्त करने के लिए, उस क्षेत्र के पर्यटन विभाग के अधिकरी को पत्र लिख कर पूछताछ कीजिए।

सेवा में

मुख्य अधिकारी

पर्यटन विभाग

गाजियाबाद

विषय : मनाली शहर की यात्रा के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त करना।

महोदय,

मैं गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ मनाली जाना चाहता हूँ। आपसे नम्र निवेदन है कि आप मुझे मनाली जाने-आने की, वहाँ ठहरने के लिए अच्छी विश्रामगृह की, वहाँ देखने लायक अच्छी जगहों की पूरी जानकारी प्रदान करे।

प्रतिउत्तर की प्रतिक्षा में।

धन्यवाद।

भवदीय

अमर गर्ग।

जी-20

अविनाश नगर

गाजियाबाद

दिनांक - 24.03.20- -

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लेखन कीजिए। [5]

1. आपकी स्कूल ने उदयपुर की सैर का आयोजन किया है। विद्यार्थियों तक इसकी जानकारी देने के लिए एक सूचना-पत्र लिखिए।

सूचना

उदयपुर की सैर

महर्षि स्कूल, गुजरात

15 फरवरी, 20 _ _

सभी विद्यार्थियों को यह सूचित किया जा रहा है। यात्रा से संबंधित जानकारी इस प्रकार है –

दिनांक : 20 अप्रैल से 28 अप्रैल

मूल्य : रु. 7,000/- प्रति विद्यार्थी

योजना : प्रचलित स्थानों पर जाना तथा अन्य आकर्षक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ।

इच्छुक 20 फरवरी 20 _ _ तक अपने नाम कक्षा अध्यापिका को दे दें।

अध्यक्ष

विद्यार्थी परिषद

अथवा

2. खेल सचिव द्वारा फुटबाल टूर्नामेंट की जानकारी हेतु सूचना तैयार करें।

सूचना

मोहन विद्यालय

फुटबाल टूर्नामेंट

दिनाँक : 20 दिसंबर 2015

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सारे विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी फुटबाल टूर्नामेंट 2 जनवरी से 10 जनवरी के बीच विद्यालय प्रागंण में आयोजित किया जा रहा है। सभी छात्र 12 से 14 आयु वर्ग के खेलने के इच्छुक हैं वे अपना नाम खेल सचिव को 25 दिसंबर तक दे दें।

खेल सचिव

सुरभ दास

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. मकान मालिक और किरायेदार के बीच हो रहा संवाद लिखिए।

मकान मालिक : कैसे हो?

किरायेदार : जी ठीक।

मकान मालिक : महीने की दस तारीख हो गई तुम किराया देने नहीं आए तो मैंने सोचा मैं ही चलकर देख लूँ।

किरायेदार : माफ़ करना इस बार समय से आपका किराया नहीं दे पाया।

मकान मालिक : आज मिलेंगा क्या?

किरायेदार : नहीं साहब। माफ़ करना आज भी नहीं दे पाऊँगा।

मकान मालिक : क्या बात हो गई?

किरायेदार : मेरे गाँव से माँ का खत आया था कुछ आवश्यक काम के लिए पैसे चाहिए थे तो मना नहीं कर पाया।

मकान मालिक : अब किराये का क्या?

किरायेदार : जी मुझे दो दिन का समय दीजिए मैं आपके घर आकर दे दूँगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मकान मालिक : ठीक है, आज तक तो तुम हमेशा समय से ही किराया देते रहे हो तो दो दिन रुक जाता हूँ।

किरायेदार : धन्यवाद।

अथवा

2. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

विक्रम : घर पर ही था, तबियत ठीक नहीं थी।

ताहिर : क्या हुआ था? डॉक्टर को दिखाया?

विक्रम : नहीं, डॉक्टर को नहीं दिखाया। वैसे कुछ खास नहीं, पर क्या बताऊँ कुछ दिनों से थकान और बार-बार सिरदर्द रहता है।

ताहिर : तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है। दिनभर ऑफिस में बैठने से भी ऐसी समस्याएँ होती है।

विक्रम : मुझे पसंद नहीं व्यायाम करना।

ताहिर : नहीं मित्र, व्यायाम से तुम्हारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और बीमारियाँ दूर भागेगी।

विक्रम : बड़ी आलस आती है।

ताहिर : ज्यादा नहीं तो सुबह में आधा घंटा चला करो और कुछ हलकी सी कसरत कर लिया करो। मैं तो रोज सुबह चलने जाता हूँ।

विक्रम : अच्छा, तो कल से मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।

ताहिर : यह हुई न बात।

विक्रम : कल सुबह मिलते है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. गर्मी में इस्तेमाल होनेवाले टेलकम पाउडर का विज्ञापन तैयार कीजिए।

गुलमहोर पाउडर

गर्मी की कर दे छुट्टी

गुलमहोर की ठंडक ऐसी ।

2. बच्चों की नोटबुक के लिए विज्ञापन बनाइए।

सुंद्रिका नोटबुक

अच्छे सुंदर अक्षर पाइए

सुंद्रिका नोटबुक आज ही लाइए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in